SET-4

कोड नं.
Code No. **39**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **5** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains **15** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **5** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

भारत की ज्ञान परंपराएँ और पद्धतियाँ

KNOWLEDGE TRADITIONS AND PRACTICES OF INDIA

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 70*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 70*

निर्देश : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

Instructions : *Attempt* ***all*** *questions.*

खण्ड - क

(पठन कौशल)

SECTION - A

(Reading Skills)

1. (क) निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x5=10

युद्ध कलाएँ, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, वे लोकप्रिय कला रूप है जो विभिन्न प्रकरों और आयामों के युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं - भाले या तलवार, शारीरिक भिड़ंत, घुड़सवारों के हमले रोकना, द्वन्द्व या अनेकों से युद्ध इत्यादि। इस प्रकार युद्ध कलाएँ लोकप्रिय मनोरंजन प्रदान करने के अतिरिक्त सैनिकों समेत युद्ध व्यवसायियों के लिए आवश्यक कौशलों में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। विभिन्न प्रकार की युद्ध कलाओं में भारत का इतिहास प्राचीन रहा है। प्राय: भारत के प्रत्येक भाग में एक या एकाधिक लोकप्रिय युद्ध कलाओं का विकास हुआ है। जापानी और चीनी अपनी प्रसिद्ध युद्ध कलाओं कराटे और कुंग फू का उद्‌गम भारत से मानते हैं। उल्लेखनीय है कि चीनी ग्रंथों के अनुसार भारतीय साधु बोधिधर्म (5 वीं - 6 ठी शताब्दी ईसवी)ने दक्षिण भारत से उत्तरी चीन की यात्रा की और शुंग पर्वत पर शाओलिन विहार में बस गए, वहाँ उन्होंने नौ वर्ष तक साधना की और अपने अनुयायी साधुओं को भारतीय युद्ध कलाओं की कुछ प्रारंभिक युक्तियाँ सिखाईं।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों और महाकाव्यों में इस उपमहाद्‌वीप में उस काल में प्रचलित विभिन्न युद्ध कलाओं का वर्णन है। धनुर्विद्या और युद्धकला की प्राचीन पुस्तक धनुर्वेद में धनुर्विद्या के नियमों, धनुष-बाण बनाने के नियमों की गणना की गई है और अस्त्रों के उपयोग तथा सेना के प्रशिक्षण का वर्णन है। इस ग्रंथ में योद्धाओं, रथसवारों, घुड़सवारों, हाथी से लड़ने वाले, पदातियों और मल्लयोद्धाओं के प्रशिक्षण की चर्चा है।

यजुर्वेद में धनुर्विद्या के महत्त्व का उल्लेख है और उनकी प्रशंसा की गई है जो इसमें निपुण हैं। महाभारत के अध्यायों में मल्लयोद्धाओं और मल्लयुद्ध और मुष्टियुद्ध का वर्णन है, जैसे भीम का जरासंध से तथा दुर्योधन से। हरिवंश पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण और बलराम दोनों ही मल्लविद्या के विशारद थे। युद्ध कला सहित अनेक क्रीड़ाओं से शरीर बल प्राप्त किया जाता था।

(i) युद्ध कला को परिभाषित कीजिए।

(ii) आप इस निष्कर्ष पर कैसे पहुँच सकते हैं कि भारत में युद्ध कलाओं की प्राचीन परंपरा रही है?

(iii) प्राचीनकाल में भारतीय युद्ध कलाओं को चीन में कैसे परिचित कराया गया?

(iv) उस ग्रंथ का नामोल्लेख कीजिए जो महाकाव्य काल में मल्लविद्या की लोकप्रियता का उल्लेख करता है, उस काल के दो मल्लयोद्धाओं के नाम भी लिखिए।

(v) धनुर्वेद क्या है? इस ग्रंथ में युद्ध कलाओं के बारे में क्या वर्णन है?

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2x5=10**

लघुचित्र (मिनिएचर पेंटिंग्स) पुस्तकों और एलबमों पर, तथा नष्ट होने वाली सामग्री पर जैसे काग़ज़ और कपड़े पर बनाए गए हैं। बंगाल के पाल भारत में लघुचित्रों के निर्माताओं में अग्रणी थे। मुग़लकाल में लघुचित्रों की कला अपने शिखर पर पहुँची। लघुचित्रों की परंपरा को चित्रकला की राजस्थानी शैलियों जैसे कि बूँदी, किशनगढ़, जयपुर, मारवाड़, मेवाड़ के कलाकारों ने जारी रखा। रागमाला चित्र भी इसी शैली के अंतर्गत आते हैं और इसी प्रकार ब्रिटिश राज में निर्मित कंपनी पेंटिंग्स भी।

दुर्भाग्य से लकड़ी और कपड़े पर निर्मित प्राचीन लघुचित्र पूर्णत: नष्ट हो गए हैं। सबसे प्राचीन उदाहरण जो पूर्वी भारत में पाल युग के आठवीं शताब्दी के उत्तरार्ध और नवीं शताब्दी के मध्य के हैं, वे बौद्ध यंत्रों, रैखिक (ग्राफिक) प्रतीकों के हैं जो मंत्र तथा धरणी के लिए दृश्य-सहायक थे। प्रतिमाविज्ञान के सिद्धांतों के अनुरूप ये बौद्ध लघुचित्र प्रज्ञापारमिता जैसे बौद्ध विचारों का देवता रूप प्रदान करते हैं, जो सभी बुद्धों की जननी के रूप में गोपनीय ज्ञान का मानव रूप थी। बौद्ध चित्र लाल और सफेद रंगों में बनाए गए हैं, और रंग समतल (प्लेन) बनाते हैं। इनकी प्रेरणा धातु की मूर्तियों से प्राप्त हुई जिनसे उभार (रिलीफ़) का भ्रम होता है। लघुचित्रों का निर्माण भित्ति चित्रों (म्यूरल) के नियमों के अनुसार हुआ है, और अनुपातों के नियम को माप की कठोर आचार संहिता से नियमित किया गया है। अग्रसंक्षेपण जैसे प्रभाव मूर्तिकला के अध्ययन से व्युत्पन्न हुए थे, न कि वास्तविकता से।

जैन चित्रों में गुजरात शैली को आगे बढ़ाया जहाँ से यह आगे राजस्थान और मालवा में फैली। इससे राजपूत शैली के चित्रों की उत्पत्ती हुई और आगे चलकर मुग़ल कला की भारतीय और फारसी शैलियों में इनका एकाकार हुआ।

(i) 'लघुचित्र' शब्द से आप क्या समझते हैं? इनके प्राचीनतम रूपों का निर्माण किन वस्तुओं पर हुआ?

(ii) लघुचित्र कला भारत के किस भाग में और कब प्रारंभ हुई? लघुचित्र कला की राजस्थानी शैली के किन्हीं दो रूपों के नाम लिखिए।

(iii) बौद्ध लघुचित्रों की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए। बौद्ध लघुचित्रों की प्रमुख विशेषताएँ क्या है?

(iv) लघुचित्र कला को पालयुग की देन पर प्रकाश डालिए।

(v) जैन लघुचित्रों और उनके प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए।

(a) Read the passage given below and answer the following questions :

'Martial Arts', as the name suggests, are popular art forms that give training in different kinds and dimensions of fighting - fighting with a spear or a sword, physical combat, resisting cavalry attack, single combat or combat with many etc. As such, the martial arts apart from being sources of popular entertainment also provide training in skills required by professionals, including soldiers.

India has an ancient tradition in diverse martial arts. Nearly every part of India has evolved one or the other form of a popular martial art.

The Japanese and the Chinese trace the origins of their popular martial arts, karate and kung-fu, to India. Notably, according to Chinese texts and tradition, an Indian sage, Bodhidharma (5^{th} or 6^{th} century CE), who travelled from South India to North China and settled at the Shaolin Monastery in the Sung Mountain, meditated there for nine years and imparted some early techniques of Indian martial arts to his follower monks.

Ancient Indian texts and the epics describe various martial arts that were then popular in the subcontinent. The Dhanurveda, an ancient treatise

on the science of archery and the art of warfare, enumerates the rules of archery, rules of bow - and arrow-making, and describes the uses of weapons and the training of the army. The treatise also discusses martial arts in relation to the training of warriors, charioteers, cavalry, elephant warriors, infantry and wrestlers.

The Yajurveda highlights the importance of the science of archery and praises those who are well versed in it. Sections of the Mahābhārata describe wrestlers and wrestling and boxing bouts, such as Bhīma's famous fights with Jarāsaṅdha and with Duryodhana. According to the Harivaṃśa Purāṇa, both Sri Kṛṣṇa and his brother Balarāma were masters of the art of wrestling. Śarira bala (physical strength) was gained through various krīḍa (games) including the martial arts.

(i) Define martial arts.

(ii) How can you deduce that India has an ancient tradition of martial arts ?

(iii) How were Indian martial arts introduced to China in ancient times ?

(iv) Name the text that suggests wrestling as popular martial art during the epics period. Also mention two masters of wrestling of those times.

(v) What is Dhanurveda ? What does the treatise describe about martial arts ?

(b) Read the passage given below and answer the following questions :

Miniature painting are executed on books and albums, and on perishable material such as paper and cloth. The Palas of Bengal were the pioneers of miniature painting in India. The art of miniature painting reached its zenith during the Mughal period. The tradition of miniature paintings was continued by the painters of different Rajasthani schools of painting, like Bundi, Kishangarh, Jaipur, Marwar and Mewar. The Ragamala paintings also belong to this school, as do the Company paintings produced during the British Raj.

Unfortunately, early miniatures in wood and cloth have been completely lost, the earliest extant belonging to the late 8^{th} or mid 9^{th} centuries of the Pala period in eastern India, are representations of Buddhist *yantra,* graphic symbols which were visual aids to the *mantra* and the *dharani*. Conforming to the canons of iconography. These Buddhist miniatures deify Buddhist thought such as *Prajñāpāramitā,* who, as the mother of all the Buddhas, was the personification of esoteric knowledge. The Buddhist paintings were drawn in red and white, forming colour planes. The inspiration came from the metal images, giving an illusion of relief. Miniatures were painted according to the rules of mural painting, the rule of proportions being regulated by strict codes of measurement. Effects such as foreshortening were derived from the study of sculpture rather than from reality.

The Jain paintings gave rise to the school of Gujarat, from where it spread further to Rajasthan and Malwa. This originated Rajput painting and the subsequent fusion of the Indian and Persian styles in Mughal art.

(i) What do you understand by the term miniature painting ? What were its oldest forms executed upon ?

(ii) When and in which part of India did the miniature painting start ? Name two Rajsthani schools of painting.

(iii) Depict the theme of Buddhist miniatures. What are the salient features of Buddhist paintings ?

(iv) Illustrate the contribution of Pala period to miniature painting.

(v) Briefly comment on the Jain paintings and their influence.

खण्ड - ख

(विश्लेषणात्मक कौशल)

SECTION - B

(Analytical Skills)

2. निम्नलिखित अनुच्छेदों (क) तथा (ख) को पढ़िए तथा उनकी तुलना कीजिए और उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अनुच्छेद (क)

वाल्मीकि के रामायण में राम भरत को विस्तृत परामर्श देते हैं कि उन्हें अयोध्या में किस प्रकार शासन करना चाहिए। यह संक्षिप्त उपदेश शासक के धर्म को परिपुष्ट करता है।

''केवल एक ही व्यक्ति से परामर्श मत लेना और बहुत अधिक लोगों से भी नहीं, और ध्यान रखना कि तुम्हारी आंतरिक सोच सारे राज्य में न फैल जाए। क्या तुम बिना देर किए तुरंत काम कर सकते हो जिससे कि तुम सरल साधनों से भी अपना उद्देश्य प्राप्त कर सको? तुम्हारे अधीन जो राजा हैं क्या उन्हें तुम्हारी योजनाओं के बारे में तभी पता चलता है जब वे लागू होती हैं या वे तभी जान लेते हैं जब वे बन रही थीं? तुम्हारे विचारों की प्रक्रिया के बारे में किसी को भी पता नहीं चलना चाहिए, जब तक कि किसी को तुमने विश्वास में न ले लिया हो।''

''हज़ार मूर्खों की अपेक्षा एक विद्वान को अपना परामर्शदाता बनाओ क्योंकि विद्वान बहुत अच्छे काम कर सकता है और तुम्हारे लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है।'' हजारों मूर्ख राजा के लिए कुछ नहीं कर सकते परन्तु एक परामर्शदाता जो कुशल है, दर्शी है, बहादुर है और बुद्धिमान है राजा के यश में चार चाँद लगा सकता है।

''क्या तुम प्रात:काल शीघ्र ही जग जाते हो और सभा भवन तथा मुख्य मार्ग में पूरी तरह सज-सँवर कर लोगों को दर्शन देते हो? क्या तुम्हारे सभी किलों में अनाज और पानी, शस्त्र और यंत्र एवं मज़दूर और धनुर्धारी पर्याप्त हैं? क्या तुम्हारी आय तुम्हारे खर्च से ज्यादा है? अनावश्यक वस्तुओं पर अपना पैसा व्यर्थ न करना।

अनुच्छेद (ख)

दसवीं शताब्दी के दिगंबर गुरु सोमदेव के (संस्कृत गद्य में) कुछ जैन लेख नीचे दिए जा रहे हैं :

- सच्चा स्वामी वह है जो धार्मिक, पवित्र कुल, चरित्र और सहयोगियों वाला है, बहादुर है और अपने व्यवहार में विचारशील है।

- वही सच्चा राजा है जो क्रोध में या आनंद में अपने आप पर नियंत्रण रखता है। और अपनी योग्यता को बढ़ाता है।
- राजा की उदारता किस काम की यदि वह अपने अनुयायिओं की आशाओं की पूर्ति न करे ?
- कठिनाइयों में कृतघ्न राजा का कोई सहायक नहीं होता। उसका मितव्ययी दरबार ऐसे छिद्र के समान है जिसमें साँप भरे हों, जहाँ कोई प्रवेश नहीं करेगा।
- यदि राजा को योग्यता की पहचान नहीं है, जो सुसंस्कृत लोग उसके दरबार में नहीं आएँगे।
- जो राजा केवल अपनी उदरपूर्ति की सोचता है, उसकी रानियाँ भी उसका त्याग कर देती हैं।
- आलस्य वह दरवाज़ा है जिससे सारे दुर्भाग्य प्रवेश करते हैं।
- राजा की आज्ञा ऐसी दीवार है जिस पर कोई आरोहण नहीं कर सके। आज्ञा का पालन न करने वाले अपने पुत्र को भी सहन नहीं किया जाना चाहिए।

प्रश्न :

(i) राम के द्वारा भरत को दिए गए परामर्श के आधार पर कि आयोध्या पर किस प्रकार शासन किया जाए तथा राजा के वास्तविक अर्थ पर सोमदेव के उपदेश के आधार पर एक शासक की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए। **4**

(ii) उन बिन्दुओं पर टिप्पणी कीजिए जिनके बारे में आप सोचते हैं कि उनका आज की राजनीति और युग में भी विशेष महत्त्व है। **6**

Read and compare the passages (A) and (B) given below and answer the following questions :

Passage - (A)

In Vālmiki's Rāmāyaṇa, Rāma gives Bharata detailed advice on how to rule the kingdom of Ayodhyā. This brief discourse encapsulates the dharma of a ruler.

Do not take advice from only one man or either from too many and make sure that your innermost thoughts are not spread all over the kingdom. Do you act quickly and without delay so that you can achieve your ends by simple means ? Do your tributary kings know about your plans only after they have been implemented or do they hear about them while they are in process ? No one should know about the process of your deliberations unless you have taken that person into confidence.

Choose one learned and intelligent man as your advisor instead of a thousand foolish men, for the learned can do a great deal of good and achieve all your goals. A thousand foolish men can do nothing for a king, but one advisor who is skilled, observant, brave and intelligent can bring a king great glory.

Do you wake up early in the morning and show yourself to the people, fully adorned, in the assembly hall and in the main street ? Are all your forts well supplied with grain and water, with weapons and machines, workmen and archers ? Is your income greater than your expenditure ? Do not waste your money on inconsequential things.

Passage - (B)

Following are extracts from a Jain text, (in Sanskrit prose) of Somadeva, a Digambara teacher of the 10^{th} century.

- A true lord is he, who is righteous, pure in lineage, conduct and associates, brave, and considerate in his behaviour.
- He is a true king who is self-controlled whether in anger or pleasure and who increases his own excellence.
- Of what use is the king's grace, if he does not fulfil the hopes of suppliants ?
- For an ungrateful king there is no help in trouble. His frugal court is like a hole full of snakes, which no one will enter.
- If the king does not recognize merit the cultured will not come to his court.
- The king who thinks only of filling his belly is abandoned even by his queen.
- Laziness is the door through which all misfortunes enter....
- A king's order is a wall which none can climb. He should not tolerate even a son who disobeys his commands....

Questions :

(i) After reading Rama's advice to Bharata on how to rule the kingdom of Ayodhya as well as Somdeva's declaim on the true meaning of kingship, write in your own words the qualities of a ruler.

(ii) Comment on the points you think have a special significance for today's politics and times.

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए। 1x15=15

(क) ''यद्यपि शास्त्रीय नृत्य, नृत्य के नियमों, उनकी तकनीक और उनके व्याकरण का दृढ़तापूर्वक अनुसरण करते हैं, फिर भी लोक नृत्य के संगीत, गीत और पदचालन की सादगी किसी को भी स्वाभाविक प्रदर्शन के लिए आकृष्ट करते हैं।'' टिप्पणी कीजिए। साथ ही भारत के किन्हीं दो राज्यों के लोकनृत्यों के विस्तृत विवरण देते हुए अपने उत्तर को विस्तार दीजिए।

(ख) प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालय नालंदा/तक्षशिला की सामान्य विशेषताओं को समझाते हुए कॉलेज स्तर की प्राचीन तथा आधुनिक शिक्षा में अंतर स्थापित कीजिए। इसके साथ ही वर्तमान समय में विद्यार्थियों में विद्यमान बेचैनी को कम करने के सुझाव भी दीजिए।

(ग) ''कृषि कार्यों में भारत का एक संपन्न और विविध इतिहास रहा है। इनमें उचित मिट्टी और अच्छे बीजों का चयन, सिंचाई, खाद देना, फसल का संरक्षण और अन्न भंडारण तथा पशुपालन और मत्स्यपालन सम्मिलित हैं।'' टिप्पणी कीजिए।

Answer any one of the following questions :

(a) Classical dances strictly follow the rules, technique and grammar of dance, yet the simplicity of the music and songs and steps of folk dance attract anyone to perform naturally. Comment. Also elaborate your answer giving detailed account of folk dances of any two states of India.

(b) Explaining the salient features of an ancient Indian University of Nalanda/Taxila, draw comparison between ancient and modern system of college education. Also add suggestions to minimise the prevailing restlessness among the students.

(c) "India has a rich and diverse history of agricultural practices. They include the selection of right soil and good seeds, techniques of irrigation and manuring, crop protection and grain storage, as well as animal husbandry and pisciculture." Comment.

खण्ड - स

(विचार कौशल)

SECTION - C

(Thinking Skills)

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5x3=15

(क) व्यापार से आप क्या समझते हैं? व्यापार के दो बिचौलियों (मध्यस्थों) का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'दुर्ग' की परिभाषा लिखिए और हमारे प्राचीन ग्रंथों के अनुसार दुर्गों के भेदों का उल्लेख कीजिए।

(ग) वैयक्तिक और सामाजिक नैतिकता में क्या अंतर है?

(घ) आतिशबाज़ी (पाइरोटेक्नीक्स) पर एक लघु टिप्पणी लिखिए।

(ङ) प्राचीनकाल में शिक्षा के उद्देश्य क्या थे?

(च) व्याकरण अध्ययन के क्या उद्देश्य हैं?

Attempt any five of the following questions :

(a) What do you understand by trade ? Name two intermediaries in trade.

(b) Define *durg* and mention the types of durg as referred to in our ancient texts.

(c) What are the differences between individual and social ethics ?

(d) Write a short note on Pyrotechnics.

(e) What were the goals of education in ancient India ?

(f) What are the objectives of studying grammar ?

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प दिए गए हैं। सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प को चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका पर लिखिए। 1x10=10

(क) पाणिनि की अष्टाध्यायी में कितने अध्याय हैं?

(i) 4

(ii) 6

(iii) 8

(iv) 10

(ख) कारीगरी की उत्तमता को परखने के लिए किस कपड़े के टुकड़े को अँगूठी से गुजारा जाता था?

(i) रेशम

(ii) मस्लिन

(iii) चिन्ज़

(iv) पॉलिस्टर

(ग) पारंपरिक रूप से किस वस्तु पर कोई पांडुलिपि लिखी जाती थी?

(i) भोजपत्र

(ii) कागज़

(iii) जूट

(iv) हेम्प

(घ) जैन- आचारशास्त्र के त्रिरत्न हैं - सम्यक् दृष्टि, सम्यक् ज्ञान और :

(i) सम्यक् आचरण

(ii) सम्यक् करुणा

(iii) सम्यक् मैत्री

(iv) उपर्युक्त में कोई नहीं

(ङ) गोपुरम्, जगति, मंडप और गर्भगृह भाग हैं :

(i) मंदिर के

(ii) मस्जिद के

(iii) स्तूप के

(iv) किले के

(च) प्राचीन भारत का प्रसिद्ध व्यापार-मार्ग निम्नलिखित में से कौन सा था?

(i) कपास मार्ग

(ii) ऊन मार्ग

(iii) कागज़ मार्ग

(iv) रेशम मार्ग

(छ) प्राचीन भारत में अध्ययन के केंद्र _____ थे।

(i) *विहार*

(ii) *मंदिर*

(iii) *गुरुकुल*

(iv) उपर्युक्त सभी

(ज) एकाश्म मंदिर बनाए गए हैं :

(i) सिरे से आधार तक चट्टान के एक खंड से

(ii) आधार से सिरे तक चट्टान के एक खंड से

(iii) सिरे से आधार तक दो विशाल चट्टानों को जोड़कर

(iv) आधार से सिरे तक दो विशाल चट्टानों को जोड़कर

(झ) प्राचीन काल में व्यापार आर्थिक संपन्नता का स्रोत ही नहीं था वरन् इससे _____ को भी प्रोत्साहन मिला।

(i) संगीत

(ii) भाषा

(iii) संस्कृति

(iv) वास्तुशिल्प

(ञ) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि भक्ति आंदोलन से संबंधित नहीं है?

(i) नामदेव

(ii) जयदेव

(iii) रविदास

(iv) तिरुवल्लुवर

For each of the following questions, four alternative answers are given. Select the most appropriate alternative and write it down in your answer book.

(a) How many chapters are there in Pāṇini's *Aṣṭādhyāyī* ?

(i) 4

(ii) 6

(iii) 8

(iv) 10

(b) To test the quality in terms of fineness, piece of which fabric is passed through a finger ring.

(i) Silk

(ii) Muslin

(iii) Chintz

(iv) Polyester

(c) On what material was a manuscript written traditionally ?

(i) Birch bark (bhūrjapattra)

(ii) Paper

(iii) Jute

(iv) Hemp

(d) The *triratna* (three gems) in Jain ethics are right vision (*samyakadṛṣṭī*), right knowledge (*samyakajñāna*) and _____ .

(i) Right conduct (*samyakacāritra*)

(ii) Right compassion (*karuṇa*)

(iii) Right friendliness (*maitrī*)

(iv) None of the above

(e) Gopuram, Jagati, Mandapa and Garbgriha are the parts of a :

(i) Temple

(ii) Mosque

(iii) Stupa

(iv) Fort

(f) Which one of the following was a famous trade route in ancient India ?

(i) Cotton route

(ii) Woollen route

(iii) Paper route

(iv) Silk route

(g) _____ served as centre of learning in ancient India.

(i) *viharas*

(ii) *temples*

(iii) *gurukulas*

(iv) All of the above

(h) Monolithic temples are shrines carved from :

(i) top to bottom out of one piece of rock

(ii) bottom to top out of one piece of rock

(iii) top to bottom by joining two huge rocks

(iv) bottom to top by joining two huge rocks

(i) Trade in ancient India was not merely a source of economic prosperity but also promoted _____ .

(i) Music

(ii) Language

(iii) Culture

(iv) Architecture

(j) Which of the following poet does not belong to Bhakti Movement ?

(i) Nāmdev

(ii) Jayadeva

(iii) Ravidās

(iv) Thiruvalluvar